भौतिक युग में वैश्विक उत्सव ने रखी परिवर्तन की आधारशिला-दादी जानकी

शान्तिवन से गूंजा विश्व शांति का संदेश

आबूरोड, 22 नवम्बर, निसं। ज्ञान की किरणों से सराबोर भावनाओं के संगम में जब परमात्म शक्ति व वरदानों को समेटे हुए शिवध्वज को ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी ने शांतिवन परिसर में फहराया तो देश के कोने-कोने से आये मेहमानों की करतल ध्वनि, पुष्प पत्तियों की बरसात, पटाखों से बिखरती चमकीली पत्तियां और शिवध्वज लहराते सैकड़ों हाथ आज दो माह से चल रहे वैश्विक उत्सवों के समापन समारोह को अनोखी छटा प्रदान कर रहे थे।

उदघाटन समारोह की गरिमा बढ़ाते हुए रंग बिरंगे दिलनुमा गुब्बारे जब छोड़े गये तो इनसे बंधे शिव ध्वज भी आकाश छूने को लालायित नजर आ रहे थे। ये गुब्बारे संस्था से जुड़े नौ लाखों सदस्यों के हृदयों की भावनाओं के प्रतीक बन गये। ध्वजारोहण के पश्चात अपने सम्बोधन ने राजयोगिनी दादी जानकी ने इसी वातावरण को शब्द देते हुए कहा कि पूरे विश्व में आज खुशी के झंडे लहरा रहे हैं। ये शिवध्वज हर आत्मा के लिए खुशियों का खजाना लेकर आये और खुशिया बांटकर हम सारे संसार का दुख दर्द दूर करने में सक्षम हों, ऐसा वरदान परमपिता परमात्मा से मांगते हैं। भारत सहित 120 देशों में परमात्म शक्तियों एवं वरदानों की प्राप्ति विषय पर आयोजित वैश्विक उत्सवों के माध्यम से सारे विश्व में शांति फैलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

लंदन से आयी ब्र0 कु0 जयन्ति व अमेरिका से आयी ब्र0 कु0 हंसा, राजयोगिनी ईशू दादी, ब्र0 कु0 मुन्नी आदि वरिष्ठ बहनों एवं भाईयों की उपस्थिति में संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि शिव बाबा का झंडा जब प्रत्येक घर पर फहरायेगा तो विश्व में सुख शांन्ति का प्रसार अवश्य होगा। संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वैर ने कहा कि परस्पर सदभाव से सुख का संसार तभी पुनर्स्थापित होगा जब हम आत्मिक दृष्टि से दूसरों के साथ सद्व्यवहार करेंगे। ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी ने शिवबाबा की उम्मीदों पर खरे उतरने का आह्वान किया।

इससे पूर्व आयोजित स्वागत सभा में संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि पूरे विश्व में जिस उत्साह व उमंग से सभी वर्गों के लाखों लोगों ने वैश्विक उत्सवों में बढ़ चढ़कर भाग लिया उससे इस विश्वास को बल मिला कि पूरा विश्व सकारात्मक परिवर्तन चाहता है। इस अवसर पर ज्ञान सरोवर की निदेशिका डा0 निर्मला, संस्था के मीडिया प्रवक्ता ब्र0 कु0 करूणा, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र0 कु0 ओम प्रकाश, संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र0 कु0 मृत्युंजय आदि मौजूद थे। उदयपुर की बाल फिल्म कलाकार नेहा, कृष्णा ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

वैश्विक महोत्सव के दो दिवसीय समापन समारोह के प्रथम सत्र को सांस्कृतिक संध्या से सजाया गया। भरतपुर से आये भारतीय कला संस्थान व बृजलोक कला मंच के कलाकारों ने मयूर नृत्य व राधा कृष्ण नृत्य की कलात्मक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। माडर्न स्कूल ऑफ डांस भुवनेश्वर के कलाकारों का मोक्ष नृत्य, राजकोट व यूनिवर्सल स्कूल उदयपुर के कलाकारों की समूह नृत्य प्रस्तुतियां भी इस समारोह को इन्द्रधनुषी रंग प्रदान करने में सफल रही। लिम्का बुक ऑफ रिकार्डस में चर्चित हुए विक्रोली मुम्बई के शशिकान्त खानविलकर ने जब कंघे से अनेक लोक प्रिय गीतों की धुनें बजायीं तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा।

फोटो, 22 एबीआरओपी-1, 2, 3, 4, 5 वैश्विक उत्सव के समापन समारोह में संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ध्वजारोहण करते हुए व सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुत सामूहिक नृत्य की झलक